हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 17 जून 2025, समय 18:10 (10 मिनट)

1. **केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ मानेसर में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी मोडल कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण किया।**

२. रेल मंत्री और मुख्यमंत्री ने इस कार्गो टर्मिनल से पहली कार्गो ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

३. मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि गुरुग्राम में आज शुरू हुआ गति शक्ति मल्टी मोडल कार्गो टर्मिनल हरियाणा को वैश्विक सप्लाई चेन के साथ जोड़ेगा।

४. हरियाणा के पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह कहा है कि अरावली क्षेत्र में जंगल सफारी परियोजना और अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

५. मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ़्तार से हवाएं चलने और भारी वर्षा होने की सम्भावना जताई है।

****

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ गुरुग्राम के मानेसर स्थित मारुति सयन्त्र में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण किया।

इस पूरी परियोजना पर 1 लाख 17 हजार 91 मिलियन रुपए की लागत आई है। इसमें हरियाणा रेल संरचना विकास निगम लिमिटेड की 55.4 प्रतिशत, हरियाणा राज्य ओद्योगिक संरचना विकास निगम की 19 प्रतिशत और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण की 5 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल से पहली कार्गो ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर श्री वैष्णव ने कहा कि अब कुल एक सौ आठ मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल तैयार हो चुके हैं जिनमें जल्दी ही सेवाएं शुरू हो जाएंगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों के दौरान रेलवे सरंचना में क्रांतिकारी बदलाव आया है। आज रेलवे का वार्षिक बजट अढ़ाई लाख करोड़ रुपए है जबकि पहले यह 24 से 25 हजार करोड़ रुपए था।

उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्ष के दौरान ही 1200 से ज्यादा सामान्य रेल डिब्बे रेलवे को मिले हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश को जल्द ही 100 नई मेन लाइन ई एम यू यात्री गाड़ियां मिलेंगी। कम दूरी की यात्राओं के लिए नई ई एम यू में 16 और 20 कोच होंगे। इसी तरह 50 नई नमो भारत यात्री गाड़ियां भी रेल नेटवर्क में शामिल होंगी।

अमृत भारत स्टेशन का जिक्र करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि दिसम्बर तक और 100 रेलवे स्टेशन तैयार हो जाएंगे।

उन्होंने हरियाणा के सोनीपत में स्थित रेल कारखाने का जिक्र करते हुए कहा कि इस कारखाने के आधुनिकीकरण की परियोजना भी तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आज हरियाणा में रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है।

***हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज कहा कि गुरुग्राम में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल की शुरुआत हरियाणा की विकास गाथा में एक नए स्वर्णिम अध्याय का शुभारंभ है।

इस टर्मिनल के शुभारंभ के मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ लोह-इस्पात का ढांचा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के विजन को साकार करने में मील का पत्थर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्गो टर्मिनल से न केवल मानेसर और गुरुग्राम प्लांट में बनी गाड़ियां देश के 17 हब और 380 शहरों तक पहुंचेंगी, बल्कि पीपावाव और मुंद्रा जैसे बंदरगाहों तक निर्यात होने वाले वाहन भी इस से भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह टर्मिनल हरियाणा को वैश्विक सप्लाई चेन से सीधे तौर पर जोड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा रेल संरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा मारुति के आंतरिक रेलवे यार्ड का विकास किया जाना, सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और संरचना विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मारुति सुजुकी की ऑटोमोबाइल रेलवे प्लांट इन साइडिंग के शुरू होने पर श्री नायब सिंह सैनी ने कहा -

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच पी.एम. गतिशक्ति एक ऐसा मंच है, जो रेल, सडक़, बंदरगाह, हवाई अड्डे, जलमार्ग और लॉजिस्टिक्स जैसे सभी महत्वपूर्ण विभागों को एक साथ लाता है। मारुति सुजुकी की रेलवे साइडिंग इसी विजन का जीता-जागता प्रमाण है। यहाँ मारूति संयंत्र के अंदर बनी कारें सीधे कार्गो रेलगाड़ी में लोड होंगी और देश के कोने-कोने तक पहुंचेंगी।

****

भारत ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण केसिद्धांतों से प्रेरित होकर एक दशक में उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। आकाशवाणीसमाचार आपके लिए पिछले 11 वर्षों में प्रमुख क्षेत्रों में सरकार के प्रयासों परएक विशेष श्रृंखला लाया है। इस कडी में आज, हम सभी के लिएकिफायती और स्वास्थ्य सेवा पर जानकारी दे रहे हैं। 5- बाइट - सरफिरोज़ी (1.40सेकंड) पिछले एक दशक में, भारत कीस्वास्थ्य सेवा प्रणाली में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है। आयुष्मान भारत जैसी प्रमुखपहलों ने लगभग 55 करोड़ लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान की है। जबकि आयुष्मान वयवंदना योजना के अंतर्गत, 70 वर्ष और इससे अधिक आयु के सभीवरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिया गया है। आयुष्मान भारत डिजिटलमिशन ने स्वास्थ्य सेवा वितरण को आधुनिक बनाया है, जिसकेअंतर्गत 78 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते बनाए गए हैं। इसके अलावा,पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अंतर्गत स्वास्थ्यसेवा के बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हुआ है। पूर्वोत्तर में असम में पहलेएम्स सहित कई राज्यों में एम्स की स्थापना और विस्तार, विकेंद्रीकरणऔर चिकित्सा शिक्षा के लिए सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सरकार नेकोविड-19 महामारी के दौरान पहला मामला दर्ज होने से पहले हवाईअड्डों पर स्क्रीनिंगसे लेकर वैक्सीन टास्क फोर्स का गठन और तुरंत देशव्यापी लॉकडाउन लगाने तक त्वरितऔर साहसिक कदम उठाए। इसके अलावा, CoWIN प्लेटफॉर्म के माध्यमसे सुचारू रूप से वैक्सीन वितरण सुनिश्चित किया गया, 220करोड़ से अधिक खुराकें दी गईं, जबकि eSanjeevani ने टेलीकंसल्टेशन को सक्षम बनाया, जिससे मरीज घर सेचिकित्सकों से जुड़े रहे। "सभी के लिए स्वास्थ्य" के दृष्टिकोण केअंतर्गत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में भारत की स्वास्थ्य सेवा की पहुँच का विस्तारकरने और इसकी गुणवत्ता में सुधार करने मेंअभूतपूर्व प्रगति की है। विष्णु की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से सरफिरोज़ी

****

हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा है कि हरियाणा सरकार द्वारा अरावली क्षेत्र में एक महत्वाकांक्षी जंगल सफारी

परियोजना और अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट की रूपरेखा तैयार की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल इको-टूरिज्म को बढ़ावा देना है, बल्कि जैव विविधता, वन्य जीव संरक्षण और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करना भी है।

श्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि अरावली भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है, जो हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली सहित चार राज्यों में फैली हुई है। केंद्र सरकार ने हरियाणा को 'अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट' और 'जंगल सफारी' का दायित्व सौंपा है, जो पर्यावरणीय दृष्टिकोण से एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के माध्यम से स्वदेशी प्रजातियों का वनरोपण, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, भूजल पुनर्भरण और जैव विविधता को संरक्षित किया जाएगा। इससे न केवल हरियाणा के पर्यावरण को बल मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं को 'वन मित्र' के रूप में तथा हरित रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने सभी से वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रकृति और वन्य जीवों के प्रति संवेदनशील होकर ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखा जा सकता है

****